शूकर पालन

शूकर पालन भारतीय ग्रामीण क्षेत्रों का महत्वपूर्ण व्यवसाय है। शूकर विभिन्न प्रकार के फार्मों में अधिक आमदनी देने वाले होते है क्योंकि इनमें कम जगह की जरुरत, ज्यादा बच्चे देने की क्षमता, कम प्रसव अन्तराल होते है, जिससे की जल्दी आमदनी होती है।

शूकर पालन के लाभ

- जन्तु खाद्य को मानव भोजन में बदलने की क्षमता
- ज्यादा बच्चे देने की क्षमता
- विभिन्न तरह के फीड खाने की क्षमता
- छोटे क्षेत्रों में रहने की क्षमता
- उच्च शरीर विकास दर

किसान के क्षेत्र में शूकर

नसले

शूकर की कुछ मुख्य नस्ल इस प्रकार है।

- हेम्पशायर- काला रंग सफेद पट्टी के साथ।
- यार्कशायर- खड़े कानो के साथ सफेद रंग ।
- घुंघरु- काला रंग बुलडोग चेहरे के साथ।
- डयूरोक- लाल रंग झुके कानो के साथ ।
- लैंड्रेस- झुके कानो के साथ सफेद रंग।
- लार्ज ब्लैक- झुके कानो के साथ काला रंग।

रख-रखाव

शूकर के रखने का स्थान सूखा, साफ-सुथरा, हवादार, गर्मी/ सर्दी व बारिश से बचाव वाला होना चाहिए। शूकरशाला की छत पक्की या स्थानीय संसाधनों से बनी होनी चाहिए ताकि बारिश का पानी शूकरशाला में न आए। विभिन्न श्रेणियों के शूकरों की जगह की आवश्यकता तालिका में दी गई है।

शूकर रखने का स्थान

शूकर श्रेणी	जगह की आवश्यकता
ब्रीडर नर	6-8मी²/ नर
विनर शिशु	0.3-0.5 मी²/ शिशु
दुधारु मादा	4-6मी²/ मादा
गर्भवती मादा	1.5-2 मी²/ मादा
फैटीनिग शूकर	0.5-1 मी²/ मादा

शूकर की विभिन्न श्रेणीयों हेतु पोषक तत्व

पोषक तत्व (%)	शरीर वजन (किलोग्राम)		
	<15	15-35	35-80
मक्का	60	64	60
चोकर	6.5	6.5	14.5
सोया मील	13	12	10
जी.न.सी.	12	10	10
फिश मील	6	5	3
खनिज लवन	2	2	2
नमक	0.5	0.5	0.5
कुल/कि.ग्रा.	100	100	100
फाइटेस(ग्रा)	40	40	40
प्रोबायोटिक (ग्रा)	0.25	0.25	0.25
लेइसिन	1.25	0.8-1.1	0.8-1.1
सी.पी	20	16	16

शूकर हेतु पीसे हुए पोषक तत्व

जनन

उत्पादन जनन पर निर्भर करता है। नर व मादा 8-10 माह की आयु में जनन कर सकते है। मादा में गर्मी के लक्षण- भग में लालपन, सूजन होना तथा बेक प्रेशर परिक्षण से पता लगाए जा सकते है। मादा में प्रकृतिक या कृत्रिम गर्भधान किया सकता है। 113-116दिनों के गर्भाकाल के बाद मादा बच्चे देती है।

जनन पैरामीटर	विशेषताए
गिल्ट की ब्रीडिगं आयु	8 माह
गर्मीकाल	2-3 दिन
गर्भाधान का समय	गिल्ट में प्रथम: सो में दूसरा दिन
शुक्रसेचन संख्याएं	दो; 12-14 अतराल
मदचक्र	18-24 दिन
पोस्ट वीनिगं मद	वीनिगं के 2-10 दिन
गर्भाकाल	114 दिन

प्रसव

गर्भवती मादा को अच्छा खाना खिलाना चाहिए। परन्तु ध्यान रखे की यह ज्यादा मोटी न हो। प्रसव से 3-4 घन्टे पहले मादा बैचेन हो जाती है। मादा के पास सभी शावको को रखे। बच्चे की नाभी को काटकर बीटाडीन लगाए। बच्चों को कोलोस्ट्रम पिलाए। जिन बच्चों की मादा मर गई हो उन बच्चों को सहायक प्रसवित मादा के पास रखे।40-42 दिनों की आयु पर विनिंग करे।

मादा जांच हेतु कमर दबाव परीक्षण

शूकरों में कृत्रिम गर्भाधान

स्वास्थ्य

शूकर को रखने की जगह साफ-सुथरी होनी चाहिए। जब भी जरुरत हो बिमारीयों के इलाज हेतु पशु चिकित्सक को बुलाए। शूकरों में होने वाली आम बिमारिया जैसे की दस्त, त्वचा के रोग इत्यादि मुख्य होती है। बिमारी के लक्षण- खाना न खाना, नीरस आखे व नाक, ठण्डे/गर्म कान, सीधी पूंछ, नीरस चमड़ी व बाल, दबा हुआ फलेकं, खासी इत्यादि।

टीकाकरण

टीका	प्रथम	दितीय	तृतीय
स्वाईन फीवर	1 मि.ली. वीनीगं के समय	प्रथम के 28दिन बाद	प्रथम के 6 माह बाद, फिर हर 6माह पर
एफ.एम.डी	60 दिन की आयु 2 मि.ली.	प्रथम के 1-1.5 माह बाद	हर 6माह पर

पालन प्रक्रियाएं

नाभी कट	शरीर से 5 से.मी. तक काट कर बीटाडीन लगाए
दात कट	जन्म के दिन टूथ कट्टर से
आयरन का टीका	जन्म के 4 व 14 वें दिन
बधिंयाकरण	जन्म के 14 वे दिन
डीवरमिंग	3$^{वा}$ व 7$^{वा}$ सप्ताह; हर 3 माह पर
वीनिगं	35-42 दिन की आयु पर

अधिक से अधिक फायदे हेतु आवश्यक बाते

- संतुलित खानपान
- गर्भवती मादा व बच्चों का ध्यान
- साफ सफाई से रख-रखाव
- अच्छा स्वास्थ्य
- टीकाकरण

छाया चित्र: बच्चों के साथ घुंघरू शूकर

द्वारा तैयार

एस.कुमार,एम.के.तामुली,के.बरमन,एस.आर.पेगु, अनिल दास, राजीव दास, एस. राजखोवा, डी. के.शर्मा

मुद्रित

निदेशक, भाकृअनुप- राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

ICAR-NATIONAL RESEARCH CENTRE ON PIG
Rani, Guwahati-781131, Assam
Website: www.nrcp.in
e-mail: nrconpig@rediffmail.com
Phone/Fax: 03612847195/2847221

शूकर पालन

किसानो हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

भा.कृ. अनु. प. - राष्ट्रीय शूकर अनुसंधान केन्द्र
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद